बजट फ्रेंडली ईवी स्कूटर

पेट्रोल के बढ़ते दामों और पर्यावरण संकट को देखते हुए बीते कुछ सालों से भारतीय ऑटो मार्केट में इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की डिमांड बढ़ती जा रही है। ऑटो कंपनियां भी अब स्टाइल से लेकर परफॉर्मेंस और पर्सनालिटी के बेहतरीन कॉम्बिनेशन वाले नए-नए मॉडल्स पेश कर रही हैं, जिससे इलेक्ट्रिक स्कूटर्स पर स्विच करने वालों को अब बजट, स्पीड या फिर फीचर्स को लेकर समझौता नहीं करना पड़ रहा है। ऐसे में अगर आप भी इलेक्ट्रिक स्कूटर्स खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो आज हम आपको 2025 के पांच ऐसे स्कूटर्स के फीचर्स के बारे में बताएंगे, जो आपके और आपके पॉकेट के लिए बेस्ट रहेंगे।

एथर 450 एस

एथर 450 एस एक स्मार्ट, फीचर–लोडेड और प्रीमियम इलेक्ट्रिक स्कूटरों में से एक है। इस स्कूटर में कंपनी ने 2 .9 केडब्ल्युएच का बैटरी पैक दिया है, जो एक एफिशिएंट मोटर के साथ आता है। इस मॉडल की मोटर 5 .4 केडब्ल्यु बैटरी की पावर और 22 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। यह करीब 115 किमी की क्लेम्ड रेंज और 90 किमी प्रति घंटे की स्पीड देता है। इसकी कीमत कि बात करें तो, इस मॉडल की कीमत वेरिएंट और जगह के हिसाब से अलग–अलग है। इस मॉडल की एक्स–शोरूम कीमत 1,20,841 से 1.44 लाख रुपये है। इसमें 7–इंच का कलर एलसीडी डिस्प्ले दिया गया है। स्कूटर का डीपव्यू डिस्प्ले रीयल टाइम नेविगेशन, राइड मोड और कनेक्टेड फीचर्स ऑफर करता है।

हीरो विडा वी 2 प्रो

हीरो विडा वी 2 प्रो 3.94 केडब्ल्युएच बैटरी और 6 केडब्ल्यु मोटर से लैस है, जो 25 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। हीरो का यह स्कूटर सिंगल चार्ज में 165 किमी रेंज ऑफर करता है, जिसकी टॉप स्पीड 90 किमी प्रति घंटे है। इसमें रिमूवेबल बैटरी है, जिसे आप घर या ऑफिस कहीं भी आसानी से चार्ज कर सकते हैं। इसके अलावा इसमें 4 राइड मोड, रिजेनरेटिव ब्रेकिंग और एक बड़ा टीएफटी डिस्प्ले जैसे फीचर्स हैं। इसे आप 1.20 लाख की शुरुआती कीमत पर खरीद सकते हैं। हालांकि जगह के अनुसार कीमत बदल सकती है।

टीवीएस ऑरबिटर

टीवीएस ऑरबिटर एक किफायती और फीचर से लैस इलेक्ट्रिक स्कूटर है, जो एक बार चार्ज करने पर लगभग 115-158 किमी की रेंज कवर करता है। साथ ही 3.1 केडब्ल्युएच बैटरी और मिड-माउंटेड मोटर द्वारा ऑपरेटेड 68 किमी प्रति घंटे की टॉप स्पीड देता। फीचर्स की बात करें

तो एक मल्टी-कलर इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के साथ आता है। यह ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, हिल-होल्ड असिस्ट, क्रूज कंट्रोल, यूएसबी चार्जिंग, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, थेफ्ट अलर्ट और ओटीए अपडेट सहित कई फीचर्स हैं। इसके अलावा यह 34 लीटर अंडरसीट स्टोरेज कैपेसिटी भी ऑफर करता है, जो दो हाफ फेस हेलमेट और डुअल राइड मोड को स्टोर करने में सक्षम है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 99,000 रुपये है। जगह के अनुसार कीमत में बदलाव हो सकता है।

बजाज चेतक 3501

बजाज चेतक 3501 की 3.5 केडब्ल्युएच बैटरी 153 किमी तक चलती है। स्कूटर की टॉप स्पीड 73 किमी प्रति घंटे है। इसमें 35 एल अंडर सीट कैपेसिटी, एंटी थेफ्ट अलर्ट, ओवरस्पीड अलर्ट, आईपी 67-रेटेड बैटरी पैक और स्मार्टफोन कनेक्टिविटी जैसे कई फीचर्स हैं। इस स्कूटर की शुरुआती कीमत 1.22 लाख रुपये है। जगह के अनुसार गाड़ी की कीमत में बदलाव हो सकता है।

डैशकैम : सड़क सुरक्षा का स्मार्ट तरीका

भारत में सड़कों पर गाड़ियों की बढ़ती संख्या के साथ ही सड़क हादसों के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे माहौल में कार मालिकों के लिए अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करना पहले से कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है। यही वजह है कि अब लोग अपनी गाड़ियों में डैशकैम लगवाने की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। यह छोटा सा कैमरा अब सिर्फ एक्सेसरी नहीं, बल्कि एक जरूरी सुरक्षा उपकरण बन चुका है। डैशकैम न सिर्फ आपकी ड्राइविंग को सुरक्षित बनाता है, बल्कि किसी भी विवाद में आपका मौन गवाह साबित होता है। यह एक बार का निवेश है, जो लंबी अवधि में आपकी सुरक्षा और मानसिक सुकून दोनों सुनिश्चित करता है।

क्या है डैशकैम

डैशकैम एक छोटा डिजिटल कैमरा होता है, जिसे आमतौर पर कार के डैशबोर्ड या विंडशील्ड पर लगाया जाता है। यह ड्राइविंग के दौरान लगातार वीडियो रिकॉर्ड करता है। किसी एक्सीडेंट, ट्रैफिक विवाद या सड़क पर हुई दुर्घटना की स्थिति में फुटेज महत्वपूर्ण सबूत के तौर पर काम आते हैं। कई देशों में डैशकैम फुटेज को कानूनी साक्ष्य के रूप में स्वीकार किया जाता है और अब भारत में भी इसके उपयोग को लेकर जागरूकता तेजी से बढ़ रही है।

क्यों जरूरी है कार में डैशकैम

डैशकैम का सबसे बड़ा फायदा यह है कि सड़क हादसे में अक्सर यह तय करना मुश्किल होता है कि गलती किसकी थी। ड्राइवर की या सामने वाले की। ऐसे में डैशकैम की वीडियो रिकॉर्डिंग विवाद को सुलझाने में निर्णायक साबित होती है। साथ ही यह इंश्योरेंस क्लेम प्रक्रिया को भी आसान बनाता है। कई बार कार पार्किंग में खरोंच लग जाए या कोई वाहन टकरा जाए, तो डैशकैम फुटेज से जिम्मेदारी तय करने में मदद मिलती है।

टिप्स

डैशकैम खरीदने से पहले जानें ये जरूरी बातें

हाई वीडियो क्वालिटी

कैमरे की रिजॉल्यूशन कम से कम फुल एचडी (1080 एमपी) या उससे बेहतर होनी चाहिए ताकि नंबर प्लेट और सड़क की डिटेल्स साफ दिखें।

स्टोरेज कैपेसिटी

बड़ी मेमोरी सपोर्ट वाला डैशकैम चुनें, जिससे पुरानी रिकॉर्डिंग को बार-बार डिलीट न करनी पड़े। कई मॉडल्स में लूप रिकॉर्डिंग फीचर होता है, जो पुराना डेटा खुद ही ओवरराइट कर देता है।

बैटरी और पावर सपोर्ट

सुनिश्चित करें कि कैमरे में अच्छा बैटरी बैकअप हो या वह कार के पावर सॉकेट से सीधे जुड़ सके।

जीपीएस और कनेक्टिविटी फीचर्स

जीपीएस वाला डैशकैम लोकेशन और स्पीड डेटा के साथ वीडियो सेव करता है। वहीं, वाई-फाई या ब्लूटूथ सपोर्ट से फुटेज मोबाइल में आसानी से ट्रांसफर किया जा सकता है।

नाइट विजन और वाइड एंगल लेंस

कम रोशनी में भी साफ रिकॉर्डिंग के लिए नाइट विजन और वाइड एंगल व्यू (120-170 डिग्री) वाले कैमरे ज्यादा कारगर रहते हैं।

डबल चैनल रिकॉर्डिंग

अगर बजट अनुमति देता है, तो फ्रंट और रियर दोनों व्यू रिकॉर्ड करने वाला डैशकैम खरीदें। इससे पीछे से होने वाली टक्करें भी रिकॉर्ड हो जाती हैं।

कार नहीं दे रही मनचाहा माइलेज अपनाएं ये उपाय

आज के समय में कार सिर्फ एक जरूरत नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुकी है। भारत में लाखों लोग हर दिन कार से सफर करते हैं, लेकिन अक्सर उनकी शिकायत होती है कि गाड़ी का माइलेज उम्मीद से कम मिलता है। अक्सर सर्विस सेंटर जाकर भी कई बार कोई खास सुधार नहीं दिखता। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर बिना कोई अतिरिक्त खर्च किए कार का एवरेज कैसे बढ़ाया जा सकता है। आइए आपको बताते हैं कुछ आसान और असरदार टिप्स, जिसको अपनाकर आप अपनी कार का माइलेज बढ़ा सकते हैं।

नियमित सर्विस

आप अगर अपनी कार से अच्छा माइलेज चाहते हैं, तो उसकी सर्विसिंग में लापरवाही न करें। समय पर सर्विस न कराने से इंजन ऑयल खराब हो जाता है और ऑयल फिल्टर चोक होने लगता है। इससे इंजन पर दबाव बढ़ता है और फ्यूल खपत भी ज्यादा होती है। समय पर सर्विस कराने से इंजन की परफॉर्मेंस बनी रहती है और माइलेज बेहतर होता है।

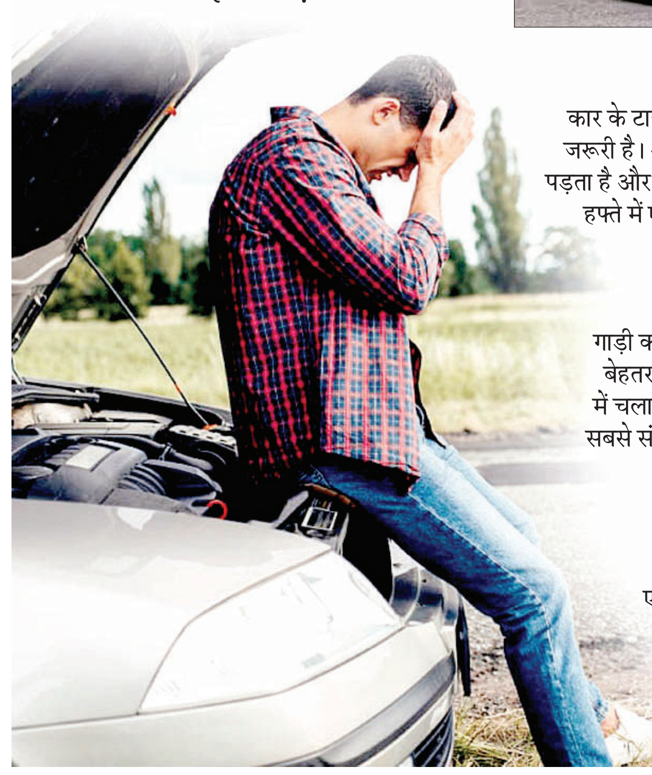

टायर प्रेशर पर ध्यान दें

कार के टायरों में सही मात्रा में हवा होना माइलेज के लिए बेहद जरूरी है। अगर टायरों में हवा कम है, तो इंजन पर ज्यादा लोड पड़ता है और गाड़ी को चलाने में अधिक फ्यूल लगता है। इसलिए हफ्ते में एक बार टायर प्रेशर जरूर चेक करें और कंपनी द्वारा बताई गई सीमा के अनुसार हवा भरवाएं।

कंट्रोल स्पीड में चलाएं कार

गाड़ी को बहुत तेज चलाना ईंधन की खपत को बढ़ा देता है। बेहतर होगा कि कार को हमेशा नियंत्रित और नर्माल स्पीड में चलाएं। आमतौर पर 60 से 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार सबसे संतुलित मानी जाती है। इस स्पीड पर इंजन कम पावर लेता है और कार अच्छा एवरेज देती है।

बदलें छोटी-छोटी आदतें

ड्राइविंग के दौरान अचानक ब्रेक लगाना, ज्यादा एक्सीलेरेटर देना या क्लच को लगातार दबाए रखना। ये सब गलत आदतें हैं, जो माइलेज कम करती हैं। इसके अलावा, अगर कार लंबे समय तक खड़ी है, तो इंजन बंद कर दें। इससे फ्यूल बचेगा और एवरेज में सुधार होगा।